Sahitya Samhita (साहित्य संहिता)
Available at http://www.sahityasamhita.org/
ISSN 2454-2695
Volume 04 Issue 06
JUNE 2018

हाथी पर निबंध

तुषार मोघा

एक हाथी बहुत चालाक, आज्ञाकारी और पृथ्वी पर सबसे बड़ा जानवर है। यह अफ्रीका और एशिया में पाया जाता है। आम तौर पर, यह ग्रे (स्लेटी/धूसर) रंग का होता है हालांकि, थाईलैंड में सफेद रंग का भी पाया जाता है। मादा हाथी झुंड़ में रहना पसंद करती है हालांकि, नर हाथी एकांत में रहना पसंद करते हैं। हाथियों का जीवन 100 साल से भी अधिक होता है। ये आमतौर पर जंगलों में रहते हैं तथापि, इन्हें सर्कस और चिड़ियाघर में भी देखा जा सकता है। ये 11 फीट की ऊँचाई और 13,000 पाउंड वजन तक बढ़ते हैं। अभी तक का सबसे बड़ा हाथी 13 फीट और 24,000 पाउंड वजन का मापा गया है। एक अकेला हाथी प्रतिदिन 400 पाउंड खाना और 30 गैलन पानी पी सकता है।

हाथी की त्वचा एक इंच मोटी होती है हालांकि, बहुत ही संवेदनशील होती है। वे बहुत अधिक दूरी से, लगभग 5 मील की दूरी से एक-दूसरे की आवाज को सुन सकते हैं। नर हाथी वयस्क होते ही अकेले रहना शुरु कर देते हैं हालांकि, मादा हाथी समूह में रहती है (समूह की सबसे बड़ी मादा को कुलमाता कहा जाता है)। बुद्धिमत्ता, सुनने की अच्छी क्षमता और सूँघने की बेहतर क्षमता होने के बाद भी हाथी की देखने की क्षमता बहुत कमजोर होती है।

हाथी बच्चों को अपने रुचिकर दिखावट; जैसे - दो बड़े कान, दो लम्बें दाँत (लगभग 10 फीट लम्बें), स्तंभ की तरह चार पैर, एक बड़ी सूंड़, एक विशाल शरीर, दो छोटी आँखें, और एक छोटी पूँछ आदि के कारण बहुत ही आकर्षित लगता है। यह माना जाता है कि, इसके दाँत (टस्क) पूरे

ISSN 2454-2695
Volume 04 Issue 06
JUNE 2018

जीवनभर बढ़ते रहते हैं। सूंड़ खाना खाने, पानी पीने, नहाने, सांस लेने, सूँघने, वजन उठाने आदि के लिए प्रयोग किया जाता है। यह माना जाता है कि, हाथी बहुत ही चालाक होते हैं और जीवन में हुई किसी भी घटना को हमेशा याद रखते हैं। वे एक-दूसरे से बहुत ही धीमी आवाज में बात करते हैं।

हाथी के बच्चे को कॉल्फ कहा जाता है। हाथी स्तनधारियों की श्रेणी में आते हैं, क्योंकि वे एक बच्चे को जन्म देते हैं और अपना दूध पिलाते हैं। एक हाथी का बच्चा अपनी माँ के गर्भ में लगभग 20 से 22 महीने में विकसित होता है। अन्य कोई भी बच्चा जन्म से पहले अपनी माँ के गर्भ में विकसित होने में इतना अधिक समय नहीं लेता है। एक मादा हाथी प्रत्येक चार या पाँचवें साल में एक समय में केवल एक ही बच्चें को जन्म देती है। वे 85 से.मी.(33 इंच) लम्बें और 120 किलो वजन वाले बच्चे को जन्म देती हैं। एक हाथी का बच्चा अपनी सूंड़ का प्रयोग करना लगभग एक साल से भी अधिक समय में सीखता है। हाथी का बच्चा प्रतिदिन 10 लीटर दूध पी सकता है। हाथियों पर अपने आकार, शिकार, बहुमूल्य आइवरी दाँत, आदि के कारण विलुप्त होने का खतरा है। पृथ्वी पर इनकी उपलब्धता को बनाए रखने के लिए इन्हें सुरक्षित करने की आवश्यकता है।